आय सृजन गतिविधि - (भेड़ पालन)

द्वारा

शिकारी माता-द्वितीय - स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	शिकारी माता- II
वीएफडीएस नाम	::	करनाला
वन रेंज	::	नाचन
वन मंडल	::	नाचन

के तहत तैयार -

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना
(जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक	विवरण	पेज/एस
1	**SHG .** का विवरण	3
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गांव का भौगोलिक विवरण	4
4	कार्यकारी सारांश	4
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	5
7	उत्पादन योजना	5
8	बिक्री और विपणन	6
9	स्वोट अनालिसिस	6
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	6-7
1 1	अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
12	आय और व्यय का विश्लेषण	9-10
13	फंड की आवश्यकता	10
14	फंड के स्रोत	10
15	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10
16	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	1 1
17	आय के अन्य स्रोत	1 1
18	बैंक ऋण चुकौती	1 1
19	निगरानी विधि	1 1
20	टिप्पणियां	1 1

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1	एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	शिकारी माता- II
2	वीएफडीएस	::	करनाला
3	वन रेंज	::	नाचन
4	वन मंडल	::	नाचन
5	गांव	::	करनाला
6	ब्लॉक ऑफिस	::	गौहर
7	ज़िला	::	मंडी
8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10- महिला
9	गठन की तिथि	::	सितंबर 2021
10	बैंक खाता संख्या	::	33510115589
1	बैंक विवरण	::	सहकारी- चैल चौक
12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100
13	कुल बचत		10810/-
14	कुल अंतर-ऋण		--
15	नकद ऋण सीमा		--
16	चुकौती स्थिति		--

लाभार्थियों का विवरण:

अनुक्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	आयु	श्रेणी	आय स्रोत	पता
1	भामा देवी	करम देव	32	अनुसूचित जाति।	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
2	उषामा देवी	पूरन चाँद	40	जनरल	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
3	द्रुमती देवी	ललित कुमार	38	जनरल	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
4	सोमवती	लोकेश ठाकुर	33	जनरल	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
5	हिना कुमारी	चेतन कुमार	27	जनरल	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
6	दिशा कुमारी	धन देव	27	अनुसूचित जाति।	कृषि	गांव _ करनाला पीओ जाछ
7	लीला देवी	प्रेम चाँद	38	अनुसूचित जाति।	कृषि	गांव _ करना

						ला पीओ जाछ
8	सुमित्रा देवी	भादर।सिंह	35	जनरल	कृषि	गांव _ करना ला पीओ जाछ
9	चंद्रावती	बोध राज	35	जनरल	कृषि	गांव _ करना ला पीओ जाछ
10	रेशमी देवी	मुरार लाल	36	अनुसूचित जाति।	कृषि	गांव _ करना ला पीओ जाछ

गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	45 किमी
2	मेन रोड से दूरी	::	0 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	चैलचौक - 14 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	सुंदरनगर - 41 किमी, मंडी - 45 किमी
	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	::	
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	सुंदरनगर , मंडी

कार्यकारी सारांश

आईजीए इस एसएचजी द्वारा दस महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह गतिविधि पहले से ही इस समूह के अधिकतम सदस्यों द्वारा की जा रही है। यह गतिविधि समूह सदस्य द्वारा पूरे वर्ष संचालित की जाएगी। क्योंकि इस क्षेत्र में चराई की काफी गुंजाइश है।भेड़ पालन आय सृजन गतिविधियों का चयन शिकारी माता-द्वितीय स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। । समूह के सदस्य द्वारा बारी-बारी से किया जाने वाला चराई कार्य है।। ऊन की प्रक्रिया का नाम , FYM और परिपक्व भेड़ की बिक्री।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	ऊन, गोबर की खाद और परिपक्व भेड़ की बिक्री
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही अधिकतम एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है। यह गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

समूह भेड़ पालन सामग्री का प्रसंस्करण करेगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी।

एक वर्ष तक भेड़ पालन की प्रक्रिया। उत्पादन प्रक्रिया में शेड की सफाई , दैनिक चराई और ऊन का असर शामिल है।

प्रारंभ में समूह को 30t। प्राप्त होगा। ऊन, गोबर की खाद 6 क्विंटल और नर भेड़ = 10 हरसाल।

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	1 साल
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	रूटीन में 10 महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय क्षेत्र खेती और बंजर भूमि
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	निजी भूमि से पेड़ों की कटाई
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	-
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	-

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनुक्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	नमक और दवा	20	1 साल	40 किग्रा/-वर्ष	20	800	-
2	चारा	20	1 साल	36 क्यूटीएल।	1350/-	48600	

विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	चैल चौक ,
2	इकाई से दूरी	::	चैल चौक-14 किमी,
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	दैनिक मांग,
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।

5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		-
7	उत्पाद "नारा"		-

स्वोट अनालिसिस

ताकत -

गतिविधि पहले से ही अधिकतम एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है

कच्चा माल आसानी से उपलब्ध

भेड़ पालन की प्रक्रिया सरल है

उचित पैकिंग और परिवहन में आसान

उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है

कमज़ोरी -

चराई के लिए तापमान, आर्द्रता का प्रभाव।

बरसात के **मौसम में उत्पाद निर्माण चक्र बढ़ेगा**

अवसर -

परिपक्व भेड़ों की बिक्री की उच्च मांग।

और मार्च के दौरान बगीचों के लिए एफवाईएम की मांग ।

सदस्यों के बीच प्रबंधन का वर्णन

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जयेगा।

समूह के कुछ सदस्य ऊन की कटाई और मैनुअल द्वारा एफवाईएम की पैकिंग में शामिल होंगे।

कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत			
अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	भेड़	20	6000	120000
2	ऊन साझा करने की मशीन	1	2500	2500
3	परिवहन	20	500	10000
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			132500

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	किराया	महीने के	1	2000	24000
2	पैकेजिंग सामग्री	सालाना	120 बैग	25	3000
3	चारा	महीने के	300 किग्रा	13.50	4050
	आवर्ती लागत				31050
कुल आवर्ती लागत बी = (आवर्ती लागत - श्रम लागत) कार्य/ श्रम के रूप में एसएचजी सदस्यों द्वारा किया जाएगा।					31050

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)	
अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	31050
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	13250
	कुल	44300

डी।	बिक्री मूल्य गणना (प्रति वर्ष)				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
1	बनाने की किमत	-	-	एसएचजी सदस्यों द्वारा नियमित समय पर चराई दैनिक आधार	उत्पादन की मात्रा बढ़ने पर यह घटेगा
2	वर्तमान बाजार मूल्य	-	-	ऊन=1.5/- *20=30*40=1200 FYM=6qtl*1000=6000 परिपक्व भेड़ की बिक्री=12000	
3	एसएचजी द्वारा अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	-	120000/-	

आय और व्यय का विश्लेषण (महीने के):

अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	नमक और दवा	800
2	चारा	48600
3	किराया	24000
	कुल	73400

फंड की आवश्यकता:

अनु क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	132500	99375	33125
2	कुल आवर्ती लागत	31050	0	31050
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	0	0	0
	कुल	163550	99375	64175

टिप्पणी-

पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%

आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	पूंजीगत लागत का 75% भेड़ , दवा और सामग्री की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा यानी 1 लाख रुपये एसएचजी बैंक खाते में परिक्रामी के रूप में जमा किए जाएंगे।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी ।
एसएचजी योगदान	पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है।	

	एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद

गुणवत्ता नियंत्रण

पैकेजिंग और मार्केटिंग

वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

इस प्रक्रिया में ऊन, एफवाईएम और परिपक्व भेड़ की बिक्री के एक साल बाद ब्रेक ईवन हासिल किया जाएगा।

आय के अन्य स्रोत : **नील**

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि - प्रारंभिक चरण में लाभार्थियों का बेसलाइन सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

समूह का आकार

निधि प्रबंधन

निवेश

आय उपार्जन

उत्पादन स्तर

उत्पाद की गुणवत्ता

बेचा गया सामान

बाजार पहुंच

एसएमएस जेआईसीए परियोजना एफटीयू-सह-आरओ नाचन

डीएमयू कम डी एफ ओ नाचन

वन प्रभाग नाचन

Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
दुग्ध उत्पादन

एसएचजी/नाम	:	शिकारी माता-II
वीएफडीएस नाम	:	करनाला
एफटीयू/रेंज	:	नाचन
डीएमयू/मंडल	:	नाचन
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू नाचन , एफटीयू नाचन और शिकारी माता-II एसएचजी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6-7
उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	7-8
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
विपणन/बिक्री का विवरण	9
वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान	10-12
फंड के स्रोत	13
निगरानी विधि	14
व्यापार योजना आय सृजन गतिविधि– केंचुआ खाद बनाना	14
परिचय	14
कृमि खाद	14-15
उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण	15
उत्पादन योजना का विवरण	16
स्वोट अनालिसिस	16-17
अर्थशास्त्र का विवरण	18-19
आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष	20
फंड के स्रोत	20
निगरानी तंत्र	21
परियोजना की कुल लागत	21
अनुलग्नक	22-23

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर–उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और ज्युनी घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है । ज्युनी घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

करनाला वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए तीन स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। **इनमें से एक है, ″शिकारी माता-II″ स्वयं सहायता समुह, समुह के लोग पहले से ही भेड़ पालन करते हैं , और यह व्यवसाय योजना दुग्ध उत्पादन बनाना से संबंधित है** । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने दुग्ध उत्पादन बनाने का फैसला किया। दल जिसमें दीपिका गुलेरिया, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल नाचन रणजीत सिंह फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर नाचन परिक्षेत्र, और सुन्दर सिंह, वनखंड अधिकारी, वन खंड तुन्ना शामिल रहे जिसमे डीएफओ नाचन एसएस कश्यप के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

स्वयं सहायता समुह का विवरण

अनौपचारिक स्वयं सहायता समुह का गठन मार्च 2021 में **करनाला** वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। खारसी स्वयं सहायता समुह महिला समूह 10 महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए

उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। दुग्ध उत्पादन बनाना जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:–

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

अनु क्रमांक	नाम	पिता पति का नाम	आयु	श्रेणी	आय स्रोत	पता
1	भामा देवी	करम देव	32	अनुसूचित जाति।	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
2	उषामा देवी	पूरन चाँद	40	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
3	द्रुमती देवी	ललित कुमार	38	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
4	सोमवती	लोकेश ठाकुर	33	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
5	हिना कुमारी	चेतन कुमार	27	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
6	दिशा कुमारी	धन देव	27	अनुसूचित जाति।	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
7	लीला देवी	प्रेम चाँद	38	अनुसूचित जाति	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
8	सुमित्रा देवी	भादर।सिंह	35	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
9	चंद्रावती	बोध राज	35	जनरल	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ
10	रेशमी देवी	मुरार लाल	36	अनुसूचित जाति।	कृषि	गाँव करनाला पीओ जाछ

शिकारी माता-I स्वयं सहायता समूह

एसएचजी का नाम	::	शिकारी माता-II
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	करनाला
परिक्षेत्र	::	नाचन
वन मण्डल	::	नाचन
गांव	::	करनाला
खंड	::	गौहर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	सितंबर 2021
बैंक का नाम और विवरण	::	33510115589
बैंक खाता संख्या	::	सहकारी- चैल चौक
एसएचजी/मासिक बचत	::	100
कुल बचत	::	
कुल अंतर-ऋण	::	हाँ
नकद ऋण सीमा	::	–
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	48 किमी
मेन रोड से दूर	: :	0 किमी
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	चैलचौक - 19 किमी
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	सुंदरनगर - 47 किमी, मंडी - 48 किमी
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदरनगर , मंडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

उत्पादन प्रक्रिया का विवरण

पनीर बनाने वाले स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने शुरू में 120 किलो शुद्ध दूध से कारोबार शुरू करने पर सहमति जताई। 40 लीटर दूध को लगातार हिलाते हुए 50लीटर क्षमता वाले मोटे दूध के बर्तनों में 80-90^0 C के तापमान तक गर्म किया जाएगा। जब दूध का तापमान लगभग 90 ^{0} C हो जाए तो इसमें 0.2% साइट्रिक एसिड (यानी 80 ग्राम साइट्रिक एसिड) मिलाएं और 5-6 मिनट तक हिलाते रहें और आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। उत्पाद को मलमल के कपड़े में डालें और अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें और पनीर के ऊपर अतिरिक्त भार डालकर पनीर को दबाएं और परिणामी सामग्री को ठंडे पानी के अंदर मलमल के कपड़े में रखें। अन्य दो दूध के बर्तनों में शेष 80 लीटर दूध के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराई जाएगी ।

मानक औसत के अनुसार प्रतिदिन 120 लीटर दूध से लगभग 24 किलोग्राम पनीर का उत्पादन किया जाएगा, जिसे लक्षित बाजारों के अनुसार उचित रूप से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए विपणन किया जा सकता है। औसतन यदि पनीर की कीमत रु . 250 रुपये प्रति किलो, एसएचजी की शुद्ध बिक्री 6000 / - दैनिक होगी और यदि दूध 40 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है तो 120 किलो दूध की मात्रा पर काम किया जायेगा और 4800 प्रति दिन और इस तरह 1200 रुपये प्रतिदिन सकल लाभ होगा।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने की बाजार की संभावना

पनीर एक प्राकृतिक डेयरी आइटम है जो स्वस्थ, पोषक तत्वों से भरपूर और बहुत मांग में है। वर्तमान में मांग बढ़ रही है और निकट भविष्य में मांग अधिक होने की संभावना है। व्यवसाय लाभदायक है और इसके लिए कम पूंजी, सस्ती सामग्री

और बुनियादी मशीनरी की आवश्यकता होती है। गुणवत्ता पनीर गुणवत्ता नियंत्रण, के साथ उचित उपकरण और मानकीकृत प्रोटोकॉल की मांग करता है।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण

- प्राकृतिक डेयरी उत्पाद
- भारी मांग
- धंधा पैसा बनाने वाला है
- कम पूंजी की जरूरत
- सस्ते घटक
- एसएचजी सदस्य व्यक्तिगत स्तर पर गतिविधि से परिचित हैं

घर में बने पनीर के लिए उपकरण की आवश्यकता

घर में बने पनीर का उत्पादन शुरू करने के लिए शुरू में निम्नलिखित उपकरण खरीदे जाएंगे

1. बॉयलर वेसल 100lt क्षमता
2. मिश्रण आदि को हिलाने के लिए डंडियां
3. कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर
4. गैस भट्टी (चुल्ला)
5. डिजिटल वजनी मशीन
6. मापने वाला उपकरण (1lt, 2lt, 5lt)
7. रेफ्रिजरेटर (200 लीटर)
8. रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख
9. पॉली सीलिंग टेबल टॉप
10. हीट सीलर
11. एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।
12. कुर्सियां, मेज आदि।
13. पनीर दबाने की मशीन

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	पनीर बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह उत्पाद पहले से ही कुछ SHG सदस्यों द्वारा बनाया जा रहा है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	1 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	सभी सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय रूप से उपलब्ध
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	सुंदर नगर 40 किमी, मंडी 40 किमी

5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	120 लीटर दूध (शुरुआत में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	24 किलो (शुरुआत में)

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रुपये)	कुल रकम	अपेक्षित पनीर उत्पादन (किग्रा)	रु. प्रति किलो	कुल रकम
1	गाय का दूध	किलोग्राम	हर दिन	120 लीटर	40	4800	24	250	6000

विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	नेरचौक 15 किमी, मंडी 15 किमी
2	इकाई से दूरी	::	
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।

6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"पवित्रता और सर्वोच्चता का एक उत्पाद"

स्वोट अनालिसिस

- ताकत -
  - गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- कमज़ोरी -
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अवसर -
  - बाजारों का स्थान
  - सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग
- खतरे / जोखिम -
  - विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
  - कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी
  - प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए शुरू में एसएचजी संक्षेप में कमाई करने जा रहा है एक लागत लाभ विश्लेषण का अनुमान लगाया जाना आवश्यक है

ए।	**पूंजी लागत**			
क्रमांक _	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**

1	बॉयलर पॉट 100lt क्षमता	3	5000	15000
2	मिश्रण आदि को हिलाने के लिए शीशे की डंडियां	3	300	900
3	कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर	2	4000	8000
4	गैस भट्टी (चुल्ला)	3	1500	4500
5	डिजिटल वजनी मशीन	1	10,000	10000
6	मापने वाला उपकरण (1lt, 2lt, 5lt)	3	L/S	1000
7	रेफ्रिजरेटर (200 लीटर)	1	22000	22000
8	रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख	L/S	L/S	4000
9	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर	1	2000	2000
10	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।	12	L/S	6000
1 1	कुर्सियां, मेज आदि।		L/S	5000
12	पनीर प्रेसिंग मशीन	1	L/S	3000
	कुल पूंजीगत लागत (ए)			**81400**

बी।	आवर्ती लागत			
क्रमांक।	विवरण	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा दूध	120 लीटर दैनिक	40 लीटर	144000
2	साइट्रिक एसिड	6 लीटर	150/ लीटर	900
3	कमरे का किराया	प्रति महीने	500	500
4	पैकेजिंग सामग्री	महीने के	3000	3000
5	श्रम	प्रतिदिन 2 व्यक्ति	275/व्यक्ति	16500
6	परिवहन	महीने के	रुपये प्रति दिन	3000
7	विविध व्यय (अर्थात स्थिर, बिजली बिल, पानी का बिल, आदि)	महीने के	1000	1000
8	गैस	प्रति माह एक सिलेंडर	2000/सिलेंडर	2000
9	मलमल का कपड़ा	महीने के हिसाब से	L/S	1500
10	साबुन और डिटर्जेंट/विम स्क्रबर, झाड़ू, वाइपर, आदि।	महीने के महीने हिसाब से	L/S	1000
	कुल आवर्ती लागत (बी)			**173400**

नोट: श्रम की मात्रा (16500) जिसे आवर्ती लागत में जोड़ा गया है, व्यावहारिक रूप से एसएचजी के सदस्यों की आय है क्योंकि श्रम इनपुट एसएचजी के सदस्यों के भीतर होगा

फंडफ्लो फ्लो

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)				
क्रमांक _	विवरण			राशि (रु.)	
1	कुल आवर्ती लागत			173400	
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास			678	
	उत्पादन की कुल लागत			**174078**	
डी।	**कुल आय मासिक**				
क्रमांक _	**विवरण**	**रोज**	**अपेक्षित दर प्रति किग्रा**	**कुल बिक्री दैनिक**	**मासिक बिक्री**
1	पनीर का कुल उत्पादन	24 किलो ग्राम	250/किग्रा	6000	180000
	लागत लाभ का विश्लेषण				
क्रमांक _	**विवरण**			**राशि (रु.)**	
1	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास			678	
2	प्रति माह कुल आवर्ती लागत			173400	

3	कुल खर्च	174078
4	कुल उत्पादन (मासिक)	720 किग्रा
5	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	250/किग्रा
6	कुल बिक्री राशि	180000
	शुद्ध आय (मासिक)= 180000-174078	5922
7	लाभ साझेदारी	लाभ के बंटवारे पर सदस्यों के बीच सामूहिक सहमति होगी; हालांकि लाभ का एक हिस्सा भविष्य की आकस्मिकता के लिए आरक्षित रखा जाएगा ।

क्रमांक –	**विवरण**	**कुल राशि(रु.)**	**परियोजना का समर्थन**	**एसएचजी योगदान**
1	**कुल पूंजी लागत**	81400	**61050 (75%)**	**20350**
2	**कुल आवर्ती लागत**	173400	–	173400
3.	**अब तक का मासिक योगदान**	**35140**		**59264**
4.	**प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**	60000	60000	–
	कुल	**349940**	**121050**	**253014**

टिप्पणी-

- परियोजना द्वारा 75% पूंजीगत लागत का योगदान दिया जाएगा।
- आवर्ती लागत एसएचजी/सीआईजी सदस्यों द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

फंड के स्रोत

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा, जैसा कि क्रम संख्या 8 में वर्णित है। • तक **1** लाख रुपये **SHG** बैंक	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी ।

	खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

बैंक ऋण चुकौती -

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

लाभार्थियों का बेसलाइन सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा ।
निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

टिप्पणियां:

समूह की आगामी दृष्टि अन्य डेयरी वस्तुओं आदि के रूप में मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह दुग्ध उत्पादन द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती भामा देवी	प्रधान	S.C	35	Bhama Devi
2.	,, उषमा देवी	सचिव	Gen.	42	Usha
3.	,, द्रोमपती	कोषाध्यक्ष	,,	41	Drompati Devi
4.	,, सोमावती	सदस्य	,,	34	Somavati
5.	,, हिना कुमारी	,,	,,	29	Hina kumari
6.	,, चन्द्रावती	,,	,,	42	Chandra vati
7.	,, सुमित्रा देवी	,,	,,	38	सुमित्रा देवी
8.	,, दिशा कुमारी	,,	SC	30	दिशा कुमारी
9.	,, लीलावती	,,	S.C	43	लीला देवी
10.	,, रेशमी देवी	,,	S.C	42	Rashmi
11.					
12.	Bhama Devi		Usha		

Shikari Mata-II SHG
Teh. ... Mandi (H.P.)

हस्ताक्षर

सचिव स्वयं सहायता समूह

Shikari Mata-II SHG
Vill. Karnala, P.O. Jachh
Teh. Chachyot, Distt. Mandi (H.P.)

हस्ताक्षर

प्रधान स्वयं सहायता समूह

Shikari Mata-II SHG
Vill. Karnala, P.O. Jachh
Teh. Chachyot, Distt. Mandi (H.P.)

President Secretary
V F D S Karnala
Teh. Chachyot, Distt. Mandi (H.P.)

हस्ताक्षर

सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

Secretary
President

हस्ताक्षर

प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति

FG Tunna Beet

हस्ताक्षर

वन रक्षक

Block Forest Officer
Tuna Block

हस्ताक्षर

वन खण्ड अधिकारी

Range Forest Officer
Nachan Range
H.P.

हस्ताक्षर

वन परिक्षेत्र अधिकारी

DIVISIONAL FOREST OFFICER,
NACHAN FOREST DIVISION,
GOHAR, DISTT. MANDI (H.P.)

डीएमयू द्वारा स्वीकृत